मोहयाल मित्र

■ *श्री गणेशाय नमः*

जनरल मोहयाल सभा का बदलता स्वरूप

जनरल मोहयाल सभा नई सोच से आगे बढ़ रही है। युवाओं और युवतियों का बिरादरी के "प्रति झुकाव" पर विशेष ध्यान दे रही है। हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए। कोई भी

काम करने के लिए ठान ले वह नामुमकिन नहीं है। आजकल युवाओं और युवतियों को जो कल के नेता हैं, उन्होंने ही भविष्य में बिरादरी को संभालना है। उनके आचार विचार सुनने के लिए युवा मेले आयोजित किए जाते हैं। उनके लिए सेमीनार होते हैं। युवाओं, युवतियों को अपनी बातों को रखने का मौका दिया जाता है। उनको ग्रुपों में बाँट कर अलग, अलग विषय पर डिस्कशन करवाया जाता है। जीएमएस के कार्यकर्त्ता उन्हें दिशानिर्देश देते हैं। उनकी कमियों को दर्शाया जाता है। बच्चों को प्रतिभाशाली पुरस्कार से भी पुरस्कृत किया जाता है। युवाओं, युवतियों के लिए मैरिट है। जहाँ उन्हें कम्प्यूटर की शिक्षा दी जाती है। यहाँ कुशल अध्यापक, अध्यापिकाओं द्वारा युवाओं और युवतियों को शिक्षित किया जाता है। यहाँ से पढ़े विद्यार्थियों को बहुत अच्छी कंपनियों में नौकरी मिल जाती है। ज.मो. सभा इसके अतिरिक्त भी बहुत कार्य करती है। विधवाओं को पेंशन देती है। जिन बच्चों के माता–पिता असर्मथ होते हैं, शिक्षित नहीं करवा पाते अपने बच्चों को जीएमएस शिक्षा के लिए उनकी मदद करती है। रिश्ते–नाते भी बिरादरी की समस्या है। जिसके लिए निःशुल्क रजिस्ट्रेशन, विज्ञापन, रिश्ते–नाते मेले, शादी–दरबार तीन माह के पश्चात् मास के अन्तिम रविवार को होता है। पत्री–मिलान की भी निःशुल्क व्यवस्था है।

समाज के उत्थान में जातीय संस्थायों का बड़ा योगदान होता है। जीएमएस इसका ज्वलन्त उदाहरण है। इस कार्य के लिए जनरल मोहयाल सभा एवम् उनके कार्यकर्त्ताओं की अहम् भूमिका है। सभी कार्यक्षेत्र में अपनी बिरादरी के उत्थान के लिए तन, मन और धन से जुड़ जाते हैं। किसी भी कार्य से विचलित नहीं होते। चाहे वह छोटे से छोटा, या बड़े से बड़ा कार्य हो। उसे बड़ी खूबसूरती से पूरा करने का बेड़ा उठाते हैं। यही है हमारी मोहयालियत? गाँव–गाँव जाकर हम अपने भाई, बहनों, बच्चों, माताओं से मिलते हैं। उनकी जो भी समस्या है। उसका समाधान निकालने की कोशिश करते हैं। इससे हमारे आपस के सम्बन्ध मजबूत होगें एवम् हम अपनी बिरादरी का उत्थान कर सकेगें।

भारत के कोने–कोने में मोहयाल सभा हैं जो जनरल मोहयाल सभा से जुड़ी हैं। जीएमएस भवन बनाने के लिए भी सभाओं की मदद करती है। ज.सो. सभा द्वारा मोहयाल आश्रम–इन्द्रपुरी दिल्ली, हरिद्वार, हरिद्वार वृद्धा आश्रम, वृंदावन आश्रम, गोवरधन आश्रम भी है। ज.मो. सभा द्वारा मोहयाल पब्लिक स्कूल देहरादून, मोहयाल प्ले स्कूल हरिद्वार भी चल रहे हैं। जीएमएस का मुख्य ऑफिस मोहयाल फाउन्डेशन ए–9, कुतुब इन्स्टीट्यूशन एरिया यू.एस. रोड नई दिल्ली–110067 है। इसका सारा श्रेय हमारे जनरल मोहयाल सभा प्रधान मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी, जो कि पिछले 35 वर्ष से अपनी सूक्ष्म दूरदर्शिता एवम् कुशल निर्देशन द्वारा जनरल मोहयाल सभा को इस ऊँचाईयों तक पहुँचाया है। इसके अतिरिक्त मैनेजमेंट सदस्य, ऑफिस बेरर सभी कार्यकर्त्ताओं एवम् जी.एम.एस. ऑफिस स्टाफ को भी जाता है। सबके अथक परिश्रम से आज जीएमएस ऊँचाईयां छू रही है। मोहयाल बिरादरी की पूरे विश्व में कार्य की सराहना हो रही है। यही हम सब मोहयालों की कामना है।

जय मोहयाल, जय मोहयाल, जय मोहयाल!

–श्रीमती कृष्णलता छिब्बर, *सेक्रेटरी*
रिश्ते–नाते, जीएमएस
फोनः 26518522, 9968667740, 9911195276

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

पच्चसवीं वैवाहिक वर्षगांठ

श्री नरेश कुमार मेहता (लौ) श्रीमती शशी मेहता (लौ) ने अपनी 25वीं सालगिरह दिनांक 11.09.2014 को घर पर रामायण का पाठ

कराया और सगे सम्बन्धियों के अलावा मोहयाल सभा के सदस्यों को बुलाया, रामायण के पाठ के भजनों का आनंद लिया और इस अवसर पर उनके पिता मेहता मंगतराम लौ ने जीएमएस के विधवा फंड में 501 रुपए और मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 501 रुपए भेंट किए। मेहता मंगतराम लौ गाँव निचंदी, जिला झेलम, तहसिल–चकवाल, पाकिस्तान के रहने वाले हैं, और परिवार ने अपने जठेरों के स्थान पर माथा टेका और प्रसाद चढ़ाया जो जगाधरी दुर्गा गार्डन में है।–*नरेश कुमार मेहता, मो. 9896735336*

वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

श्री भूपिन्द्र दत्ता व श्रीमती स्नेह प्रभा ने दो अक्टूबर 2014 को अपनी शादी की 30वीं वैवाहिक वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर सभी सम्बन्धियों ने अपनी शुभकामनाएं दी। दत्ता परिवार ने इस शुभ अवसर पर एक सौ एक रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर और एक सौ एक रुपए जीएमएस को भेंट किए।–*भूपिन्द्र दत्ता, 772, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, नारायणगढ़ रोड, अंबाला शहर।*

पर्यावरण

भगवान शब्द को इस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है:–

'भ' से भूमि – जो समस्त जीव के जीवन के लिए रसायन की उत्पति करती है।

'ग' से गन – जिसका न कोई अन्त है, जो अनन्त है, अर्थात् जो ब्रमाण्ड को सभी जीवों के लिए अपने निराकार रुप में समाए हुए हैं।

'व' से वायु – सृष्टि की कोई भी चीज वायु के बिना निर्थक है।

'।' से अग्नि – जो कण–कण में सूक्ष्म रूप में समाई है।

'न' से नीर – नीर ही समस्त सृष्टि का आधार है।

पर्यावरण शुद्धता के मामले में हमारे पूर्वज हमसे बहुत ज्यादा भाग्यशाली थे। दिन पर दिन पर्यावरण प्रदूषण के पैर पसरते जा रहे हैं। ओज़ोन गैस की परत में गहरे सुराख होने लगे हैं। जिससे सूर्य ताप भी कैंसर का कारण बनने लगा है। हमारी जलवायु तेजी से गरम होती जा रही है।

परिणामस्वरुप हिमखण्डों के पिघलने से समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा और उनके किनारे बसे नगरों को भीषण खतरों का सामना करना पड़ेगा। धरती माँ की प्राकृतिक सुषमा घटती जा रही है। वनस्पति तथा जीव–जन्तुओं की हजारो जातियां लुप्त हो गई है। औद्योगिक कचरे, रासायनिक स्त्रावो और मानव मल–मूत्र ने गंगा जैसी पवित्र नदियों को गंदगी से भर दिया है। आधुनिक पर्यावरण चिन्तकों ने अंग्रेजी अक्षर 'R' शुरु होने वाले तीन शब्दों को बड़ा महत्व प्रदान किया है:–

1. Reduce
2. Reuse
3. Recycle

अर्थात् सादगी से रहो एवं उपभोग कम करो। चीज़ों को फेंकों नहीं, बारम्बार पुनः उपयोग करो। लेकिन पर्यावरण हितैषी जीवन शैली की दृष्टि से तीन और शब्दों को हमें जोड़ना चाहिए जो 'R' से ही प्रारम्भ होते हैं:–

1. Respect
2. Repair
3. Redistribute

इनका आशय स्पष्ट है कि चीज़ों को आदर दो, उन्हें दुरुस्त कर पुनः काम में लो और संवेदनशीलता के आधार पर जरूरतमंद लोगों के बीच उनका पुर्नर्वितरण करो।

आज उत्तराखण्ड तथा जम्मू कश्मीर को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है उसका मुख्य कारण पर्यावरण से छेड़छाड़ है। आज उत्तराखण्ड तथा जम्मू कश्मीर की कोई आँख ऐसी नहीं है, जिसमें आँसू न हो।

आज हम पूर्वजों के DNA आधुनिक युग में है। हमें उनका अनुसरण करके आधुनिक तरीके से पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिज्ञा लेनी चाहिए न कि पर्यावरण का अनादर करना चाहिए।

–सूरज प्रकाश बाली, *प्रधान*
एमएस पाँवटा साहिब (मो.) 09318807392

भूल सुधार

कृपया मोहयाल मित्र अक्टूबर 2014 के पृष्ट संख्या 36 का अवलोकन करें, जिसमें स्व. श्रीमती कमला दत्ता की चतुर्थ पुण्य–तिथि पर लंगर फंड की तिथि 15 सितम्बर लिखना भूल के कारण छूट गई थी। **लंगर तिथिः 15 सितंबर।**

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गोपाल श्रीकृष्ण एवं ब्रज संस्कृति

गौ और गोपाल ब्रज एवम् ब्रज संस्कृति के आधार स्तम्भ हैं। नन्दबाबा नौ लाख गायों के स्वामी थे फिर भी श्रीकृष्ण मैया यशोदा से हठ करके वन में गाय चराने जाते थे। इसीलिए उनका नाम गोपाल अर्थात गऊओं को पालने वाला पड़ा। गायों के लिए श्रीकृष्ण के मन में अगाध प्रेम था। ग्वालों के भेष में गऊओं के बीच रहकर उन्हें बड़ा ही सुख मिलता था। गायें भी श्रीकृष्ण को बहुत प्यार करती थीं। श्रीकृष्ण जब मथुरा से चले गए तो भी गायों को नहीं भूले। उनके जाने के बाद कृष्ण के वियोग में गायों ने खाना छोड़ दिया और बहुत कमजोर हो गई।

श्रीकृष्ण साक्षात परम ब्रह्म थे, अवतार पुरुष थे। गायों के प्रति उनके लिए प्यार और श्रद्धा का भाव यह था कि गाय केवल पशु ही नहीं, जीवनदायिनी माता के समान है। उसका दूध बच्चों का पोषण कर बुद्धि प्रदान करता है। गाय का गोबर भी अति पवित्र माना जाता है। शुभ मांगलिक अवसरों पर घर–आँगन को गोबर से लीपा जाता है और गाँव में गीत गाए जाते हैं:–

''हरे–हरे गोबर आँगन लिपाये''

आजकल अनेक कार्यों में वास्तु शास्त्र का सहारा लिया जाता है। वास्तु शास्त्रों में भी गाय की भूमिका महत्वपूर्ण बताई गई है। यह भी माना जाता है कि दोष पूर्ण भूमि पर जब गाय अपने बछड़े को चाटती है और उसका फेन (मुहँ से निकली झाग) भूमि पर पड़ने से वह भूमि वास्तु दोष से मुक्त हो जाती है।

गौ–सेवा से मोक्ष मिलता है। गौ में तैंतीस देवी–देवताओं का निवास माना जाता है। तीर्थों में प्रयाग को जिस प्रकार तीर्थ राज माना जाता है उसी प्रकार गौ–माता सम्पूर्ण देवी–देवताओं में सबसे ऊपर विश्व की माता है। अतः हमें सच्चे मन से गौ–माता की सेवा और रक्षा करनी चाहिए।

–रंजना छिब्बर, *ई.ए.–94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली–110012*
(मो.) 9910695790

अच्छे विचार

1. जिन्दगी धूप, छाँव की तरह होती है, कभी गम कभी खुशियाँ होती हैं।
2. खुशियों को अकेले नहीं सबके साथ बाँटो।
3. गम के सागर को हौसलों की नाव से पार करो।
4. एक छोटा सा आँसू हमारे हृदय के सारे गम को धो देता है।
5. एक छोटी सी गलती हमें सुधार सकती है।
6. आदर्श व्यक्ति सबकी नजरों में अच्छज्ञ व्यक्ति है।
7. जीवन जीने की शक्ति है, जीवन को खुश होकर जीओ।
8. मुस्कराहट एक ऐसी दौलत है जो हर एक को दोबारा देखने पर मजबूर कर देती है।
9. मनुष्य का परिधान उसके संस्कार होते हैं।

–काकू बख्शी, *सहारनपुर*

विवाह मण्डप बनाम क्रिकेट मैच

विवाह मण्डप	क्रिकेट पिच्च
शादी की तारीख	मैच का टास
दुल्हा	बल्लेबाज
दुल्हन	गेंदबाज
पंडित	अम्पायर
दुल्हे की माँ	लैग अम्पायर
दुल्हन की माँ	थर्ड अम्पायर
ससुर	थर्ड मैन
साली	वाटर मैन
पत्नी से लड़ाई	तेज गेंदबाजी
पति की नौकरी	अच्छी बल्लेबाजी
बारातियों की संख्या	स्कोर बोर्ड
बेरोजगार पति	क्लीन बोल्ड
पत्नी की नौकरी	मैन ऑफ दी मैच
पहला लड़का	मैन ऑफ दी सीरिज़

–प्रतीक छिब्बर 'पीकू'

बेटी

माँ मुझे इस दुनिया में तुम आने दो,
तेरे आँगन में मेरी भी किलकारी हो।
तेरे आँगन के इस गुलशन में,
मेरी भी मुस्कान निराली हो।
मेरे आने से क्यों इतना घबराती हो,
तुम भी तो इस दुनिया में आयी हो।
लड़की होना गुनाह नहीं है मेरा,
मुझ पर यह जुल्म न होने दो।
बेटों से भी बढ़कर खुशियाँ दूँगी,
मुझे अपने आँचल में पलने तो दो।
गमों का समुन्दर सोख लूंगी मैं,
मुझे प्यार की नदी बनकर बहने तो दो।
समुन्दर में डूबते हुए भी ऊँचाईयों को छू लूँगी मैं,
मुझे पंख फैलाने तो दो।
दुलार तो खुद उमड़ पड़ेगा माँ–बाबा,
मुझे अपनी गोद में आने तो दो।

–रिया बख्शी 'मिनी', *दिल्ली*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 5 अक्टूबर 2014 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 30 भाई बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद–

शोकः श्री सुनील मेहता निवासी सैनिक कालोनी के जीजा जी श्री रजनीश दत्ता निवासी महरौली, नई दिल्ली के अकस्मात निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया और उनकी आत्मा की शांति के लिए सबने प्रार्थना की।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट सबके समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि दो नवम्बर को मोहयाल भवन में प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कृत करने का कार्यक्रम निश्चित किया गया है। इस अवसर पर मोहयाल बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराया जाएगा। जो भी बच्चे नृत्य, गीत आदि प्रस्तुत करना चाहते हैं उनके लिए यह खुला मंच होगा।

श्री राजेन्द्र मेहता जी ने मस्तिष्क व मधुमेह जैसे रोगों पर कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी जो सभी के लिए बहुत लाभप्रद थी। रिटायर्ड एस.पी. श्री इन्द्र दत्ता जी ने संतमत पर अपने विचार रखे। किताबों के महत्व के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि किताबें पढ़ने व सुनने से ज्यादा अच्छा है कि उसमें जो लिखा है उस पर अमल किया जाए।

श्री मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि सभा के लिए एकत्रित कीः– श्री आर.सी. दत्ता ने 500 रु. विधवा फंड के लिए। श्री प्रदीप दत्ता ने एक सौ एक रुपए अपने पुत्रों कुनाल दत्ता व राहुल दत्ता के जन्मदिन के अवसर पर व 100–100 रु. श्री सतीश दत्ता व श्री मिथलेश दत्ता ने अपनी शादी की वर्षगांठ के अवसर पर सभा को भेंट किए।

सभा के प्रधान श्री रमेश दत्ता ने श्री सुरजीत मेहता व श्रीमती संतोष मेहता को स्वादिष्ट लंच की व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिए। यह लंच श्री सुरजीत मेहता ने अपनी दोहती वैभवी छिब्बर सुपुत्री दिव्या छिब्बर व दिनेश छिब्बर के जन्मदिन के अवसर पर जिसका जन्मदिन 17 अक्तूबर को है।

श्री रमेश दत्ता ने बच्चों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी व उसके माता–पिता और नाना–नानी को बधाई दी। श्री रमेश दत्ता ने सभी उपस्थित जनों को 2 नवंबर 2014 को ज्यादा से ज्यादा बच्चों के साथ आने का आग्रह किया।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो. 9999078425*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

होशयारपुर

मोहयाल सभा (रजि.) होशयारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन ऊना रोड पर हुई। प्रधान जी आस्ट्रेलिया के टूर पर यूरोप गए हुए थे, उन्होंने अपनी यात्रा का विवरण सभा में दिया।

महामंत्री विजयंत बाली जी के घर पर पोते का जन्म हुआ, सभी ने दादा बनने पर विजयंत बाली जी को बधाई दी। बाली जी ने अपने पोते का नाम तनिष बाली रखा है। इस खुशी में उन्होंने मोहयाल सभा को 500 रु. दान दिए।

श्री शशपिन्द्र बाली के बेटी अरूणा बाली की शादी की सभी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने 500 रु. सभा को भेंट किए। शशपिन्द्र बाली जी ने गाँव नगल खुर्द के रहने वाले एक बाली परिवार के दो बच्चों के बारे में बताया, जिनके माँ बाप नहीं है, तथा एक परिवार के बच्चे का बाप नहीं है, को जीएमएस से सहायता दिलवाने के लिए कहा।

मनोज दत्ता ने 75 वर्ष की वृद्ध महिला जो तीन वर्षों में संध्यादीप वृद्ध आश्रम में रह रही है, जिन्होंने नारद नर्सिंग होम, होशियारपुर के 50000 रु. के ऑपरेशन के बिल देने हैं, श्रीमती सतीश बख्शी भटिंडा से है की सहायता के लिए भी प्रधान जी को बताया। प्रधान जी ने कहा कि रायज़ादा बी.डी बाली जी से बात कर जो भी संभव हो सके की जाएगी।

इस अवसर पर प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता, विजयंत बाली, मनोज दत्ता, वरिन्द्र दत्त वैद, अरविन्द मेहता, श्री पी.पी. मोहन, तथा कोषाध्यक्ष पवन मेहता शामिल थे।

मनोज दत्ता — *मो. 9463766261*

विजयंत बाली, *महासचिव* — *मो. 9417790090*

पाँवटा साहिब

सभा की बैठक 7.09.2014 को वार्ड नं1, भॉटा वाली, पांवटा साहिब, में श्री सूरज प्रकाश बाली, प्रधान की अध्यक्षता में 62 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद प्रथम वार्षिक कार्यक्रम का आरम्भ हवन के आयोजन के साथ सभी मोहयाल परिवारों की उपस्थिति में किया गया। प्रधान पाँवटा साहिब, द्वारा सभी उपस्थित परिवारों व उत्तरकाशी व देहरादून से आए मोहयाल परिवारों का स्वागत किया गया।

शोक समाचारः सर्वप्रथम पिछले माहों में स्वर्गवास हुए मोहयाल परिवारों के सदस्यों की दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

प्रधान पाँवटा साहिब, श्री सूरज बाली जी ने सभा को रायज़ादा बी. डी. बाली जी द्वारा मोहयालों के लिए किए जा रहे प्रशंसनीय प्रयासो के बारे में बताया व श्री बी.डी. बाली जी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। सचिव कोषाध्यक्ष श्री महेश बाली ने वार्षिक खर्च व प्राप्ति की रिपोर्ट पढ़ी।

महासचिव श्री अरुण छिब्बर ने सभा के द्वारा सभी सदस्यों को एमएस पांवटा साहिब का एक वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक शुभकामनाएं व मुबारकबाद दी तथा विगत वर्ष में सभा द्वारा की गई उपलब्धियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित जानकारी दी एवं जीएमएस द्वारा भेजी गई प्रथम स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी।

(क) मोहयाल सभा पाँवटा साहिब का रजिस्ट्रेशन करवाया गया।

(ख) मोहयाल सभा पाँवटा साहिब का बैंक में खाता खोला गया।

(ग) मोहयाल सभा पाँवटा साहिब का जीएमएस में एफिलेशन करवाया गया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

(घ) निर्जला एकादशी के अवसर पर मुख्य बाजार में छबील का आयोजन किया गया।

(ड.) तीन सदस्यों द्वारा आजीवन सदस्यता प्राप्त की गई।

(च) दस नए सदस्यों द्वारा मोहयाल पत्रिका लगवाई गई।

इस अवसर पर नौजवान सदस्यों से आजीवन सदस्यता ग्रहण करने की अपील की गई।

वार्षिक उत्सव पर बच्चों का प्रोग्राम, चेयर रेस, तमबोला का भी आयोजन किया व सभी बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस वर्ष वार्षिक कार्यक्रम को पाँवटा साहिब तक ही सीमित रख पाए हैं। अगले वर्ष सभी सदस्यों के सहयोग से जीएमएस अन्य सभाओं को भी सम्मिलित करने का प्रयास करेंगे।

उप प्रधान श्री अशोक बाली की अस्वस्थता के कारण पूर्ण वर्ष उनकी अनुपस्थिति रही। सभी सदस्यों की सहमति से उपप्रधान के पद के लिए श्री चन्द्र दत्ता व श्री मुनीश वैद जी के नाम का प्रस्ताव श्री राकेश बाली व कु. नेहा बाली दिया गया। सभी सदस्यों की सहमति द्वारा दोनों सदस्यों को उपप्रधान चयनित किया गया।

श्री ए.एन. दत्ता जी के सुपुत्र श्री सिद्धार्थ दत्ता व श्रीमती नेहा दत्ता जी के घर कन्या का जन्म हुआ है। सभी सदस्यों ने परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं व मुबारक दी। उपस्थित महिला सदस्यों द्वारा सातवीं किट्टी निकाली गई जोकि श्रीमती विनोद मेहता जी के नाम रही।

सभा की तरफ से सदस्यों के दोपहर के खाने व चाय का आयोजन किया गया। शांति पाठ व सभी सदस्यों के धन्यवाद के साथ सभा का समापन किया गया।

सूरज प्रकाश बाली, *प्रधान* *मो. 09318807392*

अशोक मेहता, अरूण छिब्बर, *सचिव* *मो. 09816271229, 09418173246*

प्रेमनगर (देहरादून)

सभा की बैठक 31.08.2014 को श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान की अध्यक्षता में श्री जी.एस. दत्ता एवं रमेश दत्ता जी के निवास स्थान सिद्धार्थ पैराडईज, पण्डितवाड़ी, देहरादून में 22 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात, बैठक की कार्यवाही आरम्भ की गई। श्री राजेश बाली, सचिव ने गत माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता कोषाध्यक्ष ने आय–व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सभी ने इसका अनुमोदन किया।

श्री हर्षवीर मेहता ने 19 सितम्बर 2014 को माता वैष्णों देवी यात्रा पर ए.सी. बस द्वारा जाने के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा यह भी बताया कि हम पटनी टॉप भी एक दिन के लिए जाएगें। यात्रा पर जाने वाले सभी सदस्यों ने धनराशि जमा करवा दी है।

सभा के कई सदस्यों ने मोहयाल पत्रिका न मिलने पर नाराज़गी जतायी। श्रीमती नीरू छिब्बर, पत्नी श्री दिलीप छिब्बर के घर में गिरने के कारण पैर में फ्रेक्चर हो गया है। सभी ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

पिछले दिनों जो एफ.डी.आर. बैंक से बनवाई थी, वह श्री राजेश बाली सचिव महोदय को दे दी गई। श्री रमेश दत्ता जी ने अपनी पोती रैना दत्ता सुपुत्री श्री सचिन एवं श्रीमती आरती दत्ता के जन्मदिन के शुभअवसर पर सभा को 1100 रु. दान स्वरूप भेंट किए। सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लिया। श्रीमती रमेश दत्ता एवं श्रीमती पूजा दत्ता ने भजन गाकर वातावरण को आनन्दित कर दिया। सभी ने रमेश दत्ता जी तथा सारे परिवार को धन्यवाद किया। सभा की अगली मीटिंग श्री जे.एस. दत्ता (कोषाध्यक्ष) जी के निवास स्थान पर होगी।

■ सभा की बैठक 28.09.2014 को श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान की अध्यक्षता में श्री जे.एस. दत्ता जी के निवास स्थान पर 22 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात सभा की कार्यवाही आरम्भ की गई। श्री राजेश बाली सचिव ने गत माह की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई तथा जे.एस. दत्ता कोषाध्यक्ष ने आय–व्यय का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया। सभी ने इसका अनुमोदन किया।

श्री राजेश बाली, सचिव की पदोन्नति कार्यालय अधीक्षक के पद पर होने पर सभी ने उनको बधाई दी।

मेजर देवेन दत्ता के परिजनों जम्मू–कश्मीर में आई आपदा में 49 आर्टिलरी एयर डिफेंस के मेजर देवेन दत्ता के सराहनीय कार्य करने पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय युवा समिति द्वारा विशेष तौर पर सम्मानित किया। जिसको स्थानीय समाचार पत्र हिन्दुस्तान टाईम्स 29 सितम्बर 2014 को अपनी सुर्खियों में प्रकाशित किया। जून 2013 उत्तराखण्ड में आयी आपदा में उत्तकृष्ट कार्य कराने पर श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान के दामाद विपिन जाधव को 8.10.2014 को भारत सरकार द्वारा वायु सेना मेडल प्रदान किया जाएगा।

सभा द्वारा 1000 रुपए की प्रतिमाह की किटि योजना प्रारम्भ की गई, जिसमें 20 सदस्य बनाए गए। पहला ड्रा श्री उदय दत्ता के नाम पर निकला। सभा के अन्त में श्री जे.एस. दत्ता को जलपान के लिए धन्यवाद किया गया।

राजेश बाली, *सचिव*

सिरसा

आज दिनांक 8.08.2014 को सभा की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। सभा सेक्रेटरी श्री रमेश कुमार छिब्बर के निवास स्थान पर प्रधान मदनलाल दत्त की अध्यक्षता में हुई, 15 सदस्यों ने भाग लिया।

श्री कंवल दत्ता जी ने निम्न राशि सभा के लिए एकत्रित की। गुप्त दान 251 रु., श्री मित्तल प्रकाश ने 51 रु., रिश्व दत्ता 101 रु. का सहयोग राशि के रूप में सभा को दिए। सभा में रायज़ादा बी.डी. बाली जी के 11 अगस्त को जन्मदिन है, सभी ने बाली जी के कार्यों की सराहना की तथा उनकी लंबी उम्र की कामना की। सभा में बाबा ठक्कर जी की समाधि निर्माण के लिए प्रधान जी ने दान की अपील की, और भी विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। सभी ने सेक्रेटरी साहब का धन्यवाद किया।

–मदनलाल दत्ता, *प्रधान (मो.) 08570994004*

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग रमन जी की तरफ से गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। श्रीमती कमला दत्ता जी ने सभा की अध्यक्षता की, नए सदस्यों का स्वागत किया

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गया। सभा में जीएमएस के नये सदस्य बनने पर जोर दिया गया और स्थापना दिवस मनाने पर विचार किया गया।

स्त्री मोहयाल सभा, यमुनानगर की सभी बहनों की तरफ से रायज़ादा बी.डी. बाली के जन्मदिवस की बधाई। भगवान उन्हें लंबी आयु दें और वो ऐसे ही मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करते रहें।

28.08.2014 को यमुनानगर मोहयाल भवन में विचार गोष्ठी बिरादरी में दिक्कतों पर मेल मिलाप किया गया, जिसमें सभी मोहयाल भाई, बहनों और युवाओं ने भाग लिया। मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप, रादौर से भी मोहयाल भाई, बहन और युवाओं ने भाग लिया। सबने इस मेल–मिलाप पर अपने विचार रखे, बिरादरी में क्या क्या परेशानीयां है उससे कैसे दूरे किया जाए। मोहयाल सभा यमुनानगर के प्रधान श्री विपिन मोहन जी, श्री विनोद मेहता जी, और श्री दर्शनलाल बाली (जगाधरी वर्कशाप) ने अपने विचार रखे।

श्रीमती कमला दत्ता जी, प्रधान और श्रीमती प्रवीण बाली (सचिव) ने अपने विचार रखे। श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती भगीरथी बाली, श्रीमती सूरज वैद, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती विजय लक्ष्मी और श्रीमती रेणू छिब्बर ने अपने विचार रखे।

अंत में सभी भाई, बहनों और बच्चों ने प्रीति–भोज का आनन्द लिया। प्रधान श्री विपिन मोहन जी ने बाहर से आए भाई, बहनों, युवाओं और बच्चों का धन्यवाद किया।

देहरादून

मोहयाल सभा देहरादून की मासिक मीटिंग 5 अक्टूबर 2014 को श्री वेद मित्तर छिब्बर जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन देहरादून में 10 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सर्वप्रथम शिक्षक दिवस पर आयोजित सफल कार्यक्रम पर चर्चा की गई तथा श्री अनिल दत्ता द्वारा सुझाव दिया गया कि इसी प्रकार के कार्यक्रम युवाओं के लिए भी किए जाएं ताकि युवाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा सके। प्रो. कमल रतन वैद जी ने मोहयाल सभा देहरादून द्वारा आयोजित मोहयाल यूथ कैंप की पूरी जानकारी ली तथा इसके लिए जुट जाने के लिए कहा और अपनी ओर से 11000 रु. के योगदान की घोषणा की।

पूर्व प्रधान श्री राजीव दत्ता जी के पुत्र तारेश दत्ता टाइम्स ऑफ इंडिया में नियुक्त होने पर उन्हें बधाई दी व उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

29 सितम्बर को जीएमएस के वाईस प्रेजिडेंट श्री पी.के. दत्ता जी के ऑपरेशन की जानकारी यशवंत दत्ता ने दी सभा को बताया कि वो निरंतर उनके पुत्र अभिषेक दत्ता के संपर्क में हैं सभी ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

शोक प्रस्तावः श्रीमती वेद रानी दत्ता (पत्नी स्व. चौ. हरदयाल सिंह दत्ता "कँवल ज़ियाई") के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दे ये प्रार्थना भी की गई। अपनी माता जी के निधन पर महासचिव यशंवत दत्ता की ओर से लोकल सभा व जीएमएस को एक–एक हजार रुपए भेंट किए। चौधरी वीरेंदर दत्ता के पौत्र के निधन पर शोक व्यक्ति किया ईश्वर से ये प्रार्थना भी की उन्हें ये दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे। मेजर वी.पी. दत्ता जी के निधन पर शोक व्यक्त किया जो नवजीवन विहार दिल्ली के निवासी हैं तथा श्री अनिल कुमार दत्ता जी के मौसा जी थे।

यशंवत दत्ता ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

–यशंवत दत्ता (मो.) 9358321592

नजफगढ़ (नई दिल्ली)

मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली–43 की अक्टूबर 2014 मास की बैठक दिनांक 5.10.2014 को प्रातः 10:30 बजे प्रधान ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों नेः-

1. सितम्बर 2014 मास की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया।

2. सितम्बर 2014 मास के लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

प्रधान जी ने सभी उपस्थित सदस्यों का बैठक में स्वागत किया तथा दीपावली की शुभ कामनाएँ दी और निम्नलिखित कार्यवाही आरम्भ की–

जनरल मोहयाल सभा की वार्षिक आम बैठकः प्रधान जी ने सभी को सूचित किया कि जीएमएस की वार्षिक आम बैठक दिनांक 9.11.2014 को प्रातः 11:00 बजे मोहयाल फांउडेशन में होगी। जीएमएस के सभी सदस्य इस बैठक में अवश्य उपस्थित हों।

श्रीमती प्रोमिला बाली जी सम्मानितः श्रीमती प्रोमिला बाली को सीबीएसई स्टेट टीचर अवार्ड 2013 माननीय एचआरडी मंत्री श्रीमती स्मृति जुबेन ईरानी द्वारा प्रदान किया गया। मोहयाल सभा नजफगढ़ के सभी सदस्यों की ओर से श्रीमती प्रोमिला बाली जी को बधाई।

चर्चा के लिए कोई खास मुद्दा न होने के कारण सदस्यों के आपसी मेल–मिलाप के पश्चात बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

नवम्बर 2014 मास की बैठकः नवम्बर 2014 मास की बैठक श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली में 02.11.2014 को होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

■ मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली की सितम्बर 2014 मास की बैठक 07.09.2014 को प्रधान ले.कर्नल (से.नि.) बी.के.एल. छिब्बर की अध्यक्षता में श्री राजेश शर्मा के कार्यालय गऊशाला रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली में प्रार्थना एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण से आरम्भ हुई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों नेः-

1. अगस्त 2014 मास की बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया।

2. अगस्त 2014 मास के लेखे–जोखे का अनुमोदन किया।

प्रधान जी ने सभी उपस्थित सदस्यों का बैठक में स्वागत किया और निम्नलिखित कार्यवाही आरम्भ कीः–

प्रधान जी का सुझाव था कि सभा के सदस्यों की संख्या कम होने के कारण तीन उप प्रधानों के स्थान पर केवल दो उप–प्रधान होने

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

चाहिए। सभी उपस्थित सदस्यों ने इस सुझाव को मान लिया और घोषित किया कि निम्नलिखित दो सभा उप–प्रधान होगें:–

(1) श्री रवि दत्ता (2) श्री शेरजंग बाली

प्रधान जी ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे बैठकों में अवश्य उपस्थित हुआ करें और सभा के हित के लिए अपने बहुमूल्य विचार चर्चा के लिए प्रस्तुत किया करें।

निजी पारिवारिक मुद्दों पर सदस्यों ने चर्चा की और इनका समाधान निकाला।

चर्चा के लिए कोई खास मुद्दा न होने के कारण सदस्यों के आपसी मेल–मिलाप के पश्चात बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

-ले.कर्नल बी.के.एल. छिब्बर (से.नि.), प्रधान
मो. 9210869406

पानीपत

सभा की रिपोर्ट में दो सदस्यों के नाम छपने से रह गया था, कृपया छापने का कष्ट करें।

मोहयाल सभा के कोषाध्यक्ष– श्री विजय मेहता

यूथ विंग के उपप्रधान– श्री नितिन दत्ता

-नरिंदर छिब्बर

अंबाला कैंट

दिनांक 5.10.2014 शाम 4:30 बजे दीपक होम्योज पर प्रधान श्री आई.आर. छिब्बर जी की अध्यक्षता में 12 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद एचएफओ एम.एल. दत्ता ने पिछली मीटिंग की कार्यवाई पढ़कर सुनाई तथा इसका सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

शुभ सूचना: श्री आर.के.सी. दत्ता जी ने सदन को बताया कि उनकी बहू (नूंह) को सरकारी अध्यापिका की सर्विस उत्तराखंड में मिल गई है तथा 7 अक्तूबर 2014 का ज्वानिंग का पत्र मिल गया है। सदन ने इस शुभ सूचना पर हर्ष प्रकट किया तथा दत्ता परिवार को ढेर सारी बधाई दी।

प्रस्ताव: मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी द्वारा प्रधान मंत्री राहत कोष जो कि जम्मू कश्मीर के बाढ़ पीड़ितों के लिए पाँच लाख रुपए दान करने पर सराहना की गई तथा अपनी लोकल सभा द्वारा तीन हज़ार रुपए की बजाए, पाँच हज़ार रुपए जीएमएस राहत कोष में भेजने का प्रस्ताव पास हुआ साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि मोहयाल सभा गुरदासपुर बाबा ठक्कर की समाधि के लिए वहाँ की मोहयाल सभा को 2100 रुपए की दान राशि भेजी जाए।

दान राशि: श्री आई.आर. छिब्बर 1000 रुपए और 500 रु., एम.एल. दत्ता 500 रु., दीपक दत्ता 500 रु., अश्विनी दत्ता 500 रु., सूबे. मेजर आर.के.सी दत्ता 500 रु., सू. कुलदीप मेहता 500 रु., एस.के. मेहता 200 रु., अमृत प्रकाश 200 रु. और श्री नरेश वैद ने 500 रुपए की राशि दी।

फिलहाल दीवाली पर्व मनाने को टाल दिया, क्योंकि स्टेट असैंबली चुनाव में काफी सदस्य व्यस्त रहेंगी, अतः प्रोग्राम आयोजन में दिक्कत आएगी। प्रधान जी की अनुमति से सभा समाप्त हुई।

आई.आर. छिब्बर, प्रधान — *एचएफओ एम.एल. दत्ता, महासचिव*
फोन: 0171–2660305 — *मो. 9896102843*

महिला मोहयाल सभा देहरादून

सभा की मासिक मीटिंग 12.10.2014 को श्रीमति दीपिका मोहन जी के निवास पर हुई, जिसमें 15 महिलाओं ने भाग लिया। सबसे पहले प्रार्थना, फिर गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

पिछले माह श्रीमती इन्दु बाली दत्ता जी की माता जी का स्वर्गवास हो गया था। सभा में दो मिनट का मौन रखा गया।

सभा की प्रधान श्रीमती ललिता दत्ता जी ने मेंहदी प्रतियोगिता करवाई। जिसकी जज अवन्तिका मोहन थी। जिसमें प्रथम स्थान पर श्रीमती रजनी दत्ता व अनीता बक्शी, दूसरे स्थान पर आरती दत्ता व तीसरे स्थान पर सविता मेहता रही।

अंत में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्रीमती दीपिका मोहन का धन्यवाद किया। अगले माह की मीटिंग 9 नवम्बर को श्रीमती सुनीता मोहन के निवास पर होगी।

सविता मेहता वैद, सचिव
मो. 9837511348

जगाधरी वर्कशाप

सभा की बैठक 5 अक्तूबर 2014 को जंज घर माड्रन कालोनी आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 20 सदस्यों ने भाग लिया। सभा के सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे। सभा के उप–प्रधान श्री नरेश मेहता एवम् श्रीमती शशी मेहता अपनी शादी की 25वीं सालगिरह दिनांक 11.09.2014 के उपलक्ष पर घर में रामचरित्र मानस जी का पाठ हुआ। इस अवसर पर उनके पिताजी श्री मंगत राम लौ जी ने 501 रु. मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप एवं 501 रु. जीएमएस विधवा फंड को भेंट किए। यह सभा मेहता परिवार को बधाई देती है।

श्री अमित दत्ता एवं रवीना दत्ता मार्डन कालोनी यमुना नगर निवासी ने अपनी पहली वैवाहिक वर्षगाँठ के अवसर पर जीएमएस विधवा फंड में 201 रु. भेंट किए। सभा दत्ता परिवार को बधाई देती है।

नवंबर माह की सभा दिनांक 2 नवंबर को जंज घर मार्डन कॉलोनी यमुनानगर में होगी।

सूरेन्द्र मेहता छिब्बर, प्रधान — *सतपाल बाली, सचिव*
मो: 9355310880

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अंतिम यात्रा

श्रीमती पूजा बाली का स्वर्गवास

श्रीमती पूजा पुत्री श्रीमती प्रीतम बाली व स्व. रायज़ादा शमशेर बाली, गाँव मातली (उत्तरकाशी) का अकस्मिक निधन दिनांक 23 जुलाई 2014 को हुआ। श्रीमती पूजा रायज़ादा रामसहाय बाली जी की पौत्री थी जो कि गाँव ताई जिला कैमलपुर (पाकिस्तान) के रहने वाले थे।

श्री दीपक बाली, जोकि श्रीमती पूजा बाली के भाई हैं, ने उनकी याद में 200 रुपए जी.एम.एस. को भेंट किए।–*सूरज प्रकाश बाली, प्रधान, मोहयाल सभा पाँवटा साहिब (मो.) 09318807392*

श्रीमती ऊषा दत्ता का स्वर्गवास

श्रीमती ऊषा दत्ता, पत्नी स्व. श्री कृष्ण कुमार दत्ता पुत्रवधु स्व. श्री कैप्टन प्यारे लाल दत्ता और स्व. श्रीमती राजकुमारी दत्ता जी का निधन 20 सितंबर 2014 को हुआ। वह 67 वर्ष की थी। पिता स्व. श्री राजेन्द्र मेहता एवं माता स्व. श्रीमती परमेश्वरी मेहता की सबसे छोटी सुपुत्री थी।

शोकायुक्त परिवार में उनकी सुपुत्री श्रीमती संगीता मोहन, दामाद श्री संजय मोहन, नाती हर्षित मोहन, सुपुत्र श्री अमित दत्ता पुत्रवधु श्रीमती निशा दत्ता, पौत्र आदित्य दत्ता और सबसे छोटी सुपुत्री शालिनी दत्ता जी हैं।

रस्म–पगड़ी 30 सितम्बर 2014 को न्यू कालोनी में की गई, जिसमें शोकायुक्त परिवार एवम् सम्बन्धियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। परिवार ने उनकी आत्मा की शांति के लिए अन्य संस्थाओं के साथ–साथ जी.एम.एस. एवम् गुड़गाँव मोहयाल सभा को 1000–1000 रुपए भेंट किए।–*अमित दत्ता सुपुत्र, शालिनी दत्ता सुपुत्री, एल–92, न्यू कालोनी, गुड़गाँव, फोनः 0124–2313719*

अविस्मरणीय भोली कुसुम स्मृतियों का झरोंखा

हम अभिलाषाओं के खिलौने बनाने में सद्यः स्नात अपने आपको हर्षातिशय में प्रफुल्लित महसूस कर रहे थे। अरमानों पर यह कैसा वज्र–निपात हो गया, अरमानों की कलियाँ ही बिखर गई। खिलकर जिसे इठलाने का अवसर ही न मिला। 8 जनवरी, 2011, को तुम्हारा चिर–निद्रा में विलीन हो जाना इस लोक से अज्ञात–लोक में वास कर जाना। बिजली का नीड़ पर गिर जाना। अवा् आश्चर्य चकित निहारते ही रह गए। विधि गति मौन भाषा में ही कर गई। विधि का विधान, समय का काल–चक्र, न जाने अपने में क्या कुछ लिए मौन ही रहते हैं। सारी की सारी योजनाएँ धरी–धराई अधर में अप्रासगिंक ही रह गई।

हमारे चेहरों को फिर तुम्हारे कोमल हाथों का स्पर्श कभी प्राप्त न होगा। हम को ज्ञात नहीं था, तुम्हारी मीठी आवाज कभी सुनाई न देगी। दुनिया में क्या नहीं मिल सकता? मीठे बोल सुनाई नहीं देंगे।

हमने श्रावण–मास सदृश झड़ी लगा रखी थी। हृदय–दर्पण इस असहनीय आघात से टूट ही गया था। फूट उठा था दर्द–ए–गम।

सन्ध्या–बाला भी अपने केश–राशि खोल आई थी। सूर्य भी अधीर होकर संसार से चले गए थे। पंछी भी अपने–अपने नीड़ों में लौट गए थे। ऐसे में दूर वीरान में स्थित शमशान भूमि में किसी का नींड़ धाँय–धाँय कर जल रहा था। श्रद्धा तथा निष्ठा की पुजारिन का अन्तिम संस्कार कर दिया गया था।

जनता कपाल–क्रिया की प्रतीक्षा कर रही थी। हम व्याकुल दृगों से प्रचण्ड लपटों की राख को देख रहे थे। देखते ही देखते तुम्हें अपने आंचल में सुला दिया था। भीतर जल गई चिता अदृश्य थी। अपना मन संसार से ही हट गया था। साथी के बिना पथ पार करना दूभर प्रतीत हो रहा था।

सब वापिस आ गए थे, हार कर किसी के अमूल्य प्राणों की बाजी।

उस दिन की राका, जिसका लेश–मात्र भी विचार करने से हृदय टूक–टूक होने लगता है। मुख पर निराशा लगने लगती है। इस दृश्य का ज्वलन्त प्रमाण जो श्यामल मेघों के शशि के मुख पर छा जाने से अवनि प्रकट करती है।

जीवन–मौत से पैदा होने वाली अस्सीम वियोग की भूमिका तो है ही। हम रंग–मंच पर इकट्ठे हो महफिल तो लगाते हैं। किन्तु वह स्थाई तो नहीं। हमें मालुम ही नहीं होता, महफ़िल को सजाने वाले गुप–चुप इस महफिल को छोड़ सदा के लिए चले जाते हैं फिर कभी भी वापिस नहीं लौटते।

मन तो बहुत रोया, जी भर कर रोया। श्रावण मास की धाराओं की तरह बिलख–बिलख कर रोया। कुछ भी और न कर सका। विगत दिनों की स्मृतियाँ अपार वेदना उत्पन्न करती है। अश्रु–बिन्दु नयनों से ढुलक पड़ते हैं, चू पड़ते हैं। अब तो बस सिसकियों के दिए ही जलते हैं।

कब नजर भर मिला था तुम्हें देखना, जबकि तू चाहत मेरी का श्रृंगार थी।

नुकीले–पत्थरों को तलवों का उष्ण–रक्त पिला भले ही सर्वस्व का उपहास उड़वा कर उन्मादित तड़पन का सर्वस्व समझ कर निर्व्याज श्रद्धा–वशीभूत होकर आराधना करती रही, गीत गाती रही। तेरी त्याग–तपस्या निस्संदेह सराहनीय थी, अतुलनीय थी तथा निःस्वार्थ थी।–*राजेश वैद पति, हिमांषु वैद पुत्र, (मो.) 9416485751*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बारहवीं पुण्य-तिथि

हमारे पूज्यनीय पिताजी, **श्री बाँके बिहारी** जी सुपुत्र श्रीमती एवम् श्री मुकंदलाल बाली जी का जन्म पाकिस्तान के झेलम शहर में हुआ था। वह बहुत ही शांत और सुशील स्वभाव के व्यक्ति थे। वह रेलवे में ए–वन ड्राईवर के रूप में कार्यरत रहे। 15 अक्तूबर 2002 को उनका निधन हो गया।

पिताजी के परिवार में हमारी माताजी श्रीमती रमेश बाली, उनकी बड़ी बेटी पूर्णिमा वैद, दामाद श्री राजेन्द्र वैद (गौरी), मंझली बेटी प्रिती वैद, दामाद श्री राकेश वैद, दो नाती मिहिर वैद, माधव वैद और सबसे छोटी बेटी प्रिया मल्होत्रा, दामाद श्री पृथ्वी मल्होत्रा (राजू), नातिन पुण्या मल्होत्रा और नाती पार्थ मल्होत्रा हैं। उन्होंने सभी पुत्रियों का विवाह सम्मानित और प्रतिष्ठित परिवारों में किया।

हमारी पूज्यनीय माताजी श्रीमती रमेश बाली, निवास बी–7, फ्लैट नं.12, तीसरी मंजिल, लक्ष्मन पार्क, चंदर नगर, गली नं. 2, दिल्ली–51, पिताजी की स्मृति में 11000 रु. जी.एम.एस. लंगर फण्ड वृंदावन आश्रम को प्रदान कर रही हैं।

लंगर तिथि 15 अक्टूबर।

हमारी परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि हमारे पिताजी की आत्मा को शांति प्रदान करें और उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

ऊँ शांतिः शांतिः शांति!

*–**प्रिया मल्होत्रा,** पुत्री (मो.) 9811953833)*

जीवन के सन्देश

इंसान ने खुदा से पूछा : रिश्तों का असली मतलब क्या होता है?
तभी खुदा ने हँसकर कहा! जो मतलब के लिए बनाए जाए वो रिश्ता कहाँ होता है।

आँसू ना होते तो आँख इतनी खूबसूरत ना होती, दर्द ना होता तो खुशियों की कीमत ना होती, पूरी कर्त्ता खुदा यूँ ही सब की मुरादें तो इबादत की कभी जरूरत ना होती।

मीठे बोल बोलिए क्योंकि लफ़्ज़ों में भी जान होती है इन्हीं से दुआ, इन्हीं से आरती और जंजान होती है ये दिल के समुंदर के वो मोती है, जिनसे इंसानों की पहचान होती है।

*–**अरुण छिब्बर,** शंकर नगर, दिल्ली–110051*

अच्छी बातें

1. कर्म वह आईना है जो हमें हमारा स्वरूप दिखा देता है।
2. भय का सही अंगीकार ही भय से मुक्ति है।
3. अपने घर में शाँति पाने वाला ही सबसे ज्यादा सुखी होता है।
4. सब ज्ञान की बातें शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती।
5. शिक्षा की जड़ें भले ही कड़वी हो, इसके फल मीठे होते हैं।
6. विष की लता पर अमृत का फल नहीं लग सकता।
7. क्रोध से मनुष्य का स्वभाव ही नहीं, बल्कि पूरा जीवन व चरित्र ही विकृत हो जाता है।
8. अंहकार समाप्त होते ही प्रतिष्ठा का प्रारंभ हो जाता है।
9. नम्रता का असर दूर तक होता है और उसमें खर्च कुछ भी नहीं होता।
10. किसी की मूर्खता पर क्रोध करना स्वयं की मूर्खता है।

*–**स्नेह प्रभा,** 772, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी नारायणगढ़ रोड, अंबाला शहर*

अनमोल वचन

1. जो मनुष्य मित्र के दुःख से दुःखी नहीं होते, उन्हें देखने मात्र से भी पाप लगता है।
2. लोभी पूर्ण संसार पाने पर भी भूखा रहता है।
3. ईश्वर प्रेम के अतिरिक्त अपने में कुछ भी नहीं रखता। क्योंकि मात्र यही उसकी पसंद है।
4. यदि शरद् कहने लगे वसन्त मेरे हृदय में है, तो शरद का कौन विश्वास करेगा।
5. पवित्र विचारों को अपने हृदय में स्थान दो, फिर संसार में तुम्हारा कोई विरोध नहीं कर सकता।
6. हम प्रायः अपने बच्चों को लोरियां देते हैं, ताकि हम स्वयं सो सकें।
7. दया अर्धन्याय का नाम है।
8. जब तुम अपनी पीठ सूर्य की तरफ करोगे, तो केवल अपनी छाया देखोगे।

*संकलनकर्त्ता– **मदनलाल दत्त,***
खैरपुर कालोनी, सिरसा (हरियाणा)
मो.: 08570994004

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल मित्र घर-घर पहुँचे

मोहयाल मित्र जब भी महीने की आखिर तारीखों में घर पहुँचता हैं और इसको पढ़ने के बाद मन को ऐसा लगता है कि जैसे किसी रिश्तेदार की चिट्ठी आई है और चिट्ठी (मोहयाल मित्र) पढ़ने के बाद घर के सभी सदस्यों रिश्तेदारों का हाल–चाल जान लिया हो। मोहयाल बिरादरी के हमारे बुर्जग जो इस दुनिया से बिछड़ कर और हम को छोड़ कर स्वर्ग सिधार गए हैं इसकी जानकारी जब मोहयाल मित्र से मिलती है सुनकर दुख होता है और जब इसकी चर्चा हम घर में अपने बुर्जगों से करते हैं तो वे यह ऐसे दुखद समाचार सुनकर अफसोस प्रकट करते हैं और अतीत में चले जाते हैं और पाकिस्तान में बचपन की बीती बातों को सुनाने लगते हैं। बुर्जगों का मोहयाल मित्र से लगाव बहुत ही ज्यादा है। मोहयाल मित्र में बच्चों के जन्म–दिन की तस्वीरें और बड़े बच्चों की शादी की तस्वीरें देखकर ऐसा प्रतीत होता है और आखों में थोड़ी लाली आती है जिससे मोहयाल मित्र के ये तस्वीरों वाले पन्ने ब्लैक एंड वाईट होकर भी रंगदार लगने लगते हैं। जी.एम.एस. द्वारा मोहयाल बिरादरी के शिक्षावान बच्चों को पुरस्कृत करना और मोहयाल मित्र में इनका गुणगान बहुत ही अच्छा कार्य है।

''मोहयाल मित्र के बढ़ते कदम कुछ ऐसे आगे निकल आये हैं। जो चेहरे मोहयालों के कभी नहीं देखे, वो मोहयाल मित्र ने हमें दिखाये हैं।''

मोहयाल कौम देश की सबसे उत्तम और निडर कौम है। यह कौम से सप्त ऋषि की सन्तान हैं और इनकी बहादुरी के किस्सों से देश का इतिहास भरा पड़ा है जाहिर है इस गर्म खून, गर्म जोशीले वाले बिरादरी के लोगों और देश में छूटी कौम को एक मंच पर लाना बहुत ही कठिन कार्य है। पर मैं बधाई देता हूँ हमारे सर्वमान्य श्री बी.डी. बाली साहेब को जिन्होंने अपनी जी.एम.एस. की पूरी संचालक टीम के साथ मिलकर इन सब मोहयालों को जोड़ा ही नहीं बल्कि तरक्की के ऐसे हिमालय पर स्थापित कर दिए हैं जहां देश की दूसरी कौमों के हर कोई व्यक्ति इनको टकटकी लगाए देख रहा है कि काश हम भी इनकी तरह होते और समाज में इस बारे में मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। मैं दुआ करता हूँ कि श्री बी.डी. बाली जी के दिशा निर्देश से पूरी मोहयाल बिरादरी और तरक्की करें।

मोहयाल मित्र के अंग्रेजी और हिन्दी के संपादक बहुत ही अच्छी समझ रखते हैं। मोहयाल बिरादी बड़े–बड़े अफसर, राजनेता, अभिनेता और जो समाज के बड़े–बड़े कार्यों से जो लोग जुड़े हैं उनका वर्णन मोहयाल मित्र में अक्सर होता है जो बच्चों के लिए प्रेरणा स्रोत है। मोहयाल मित्र में संपादकों द्वारा अंग्रेजी और हिन्दी में सरल भाषा का प्रयोग हर किसी की समझ के अनुरूप है। संपादकों द्वारा अपना वक्त मोहयाल मित्र और सामाजिक कार्यों के लिए देना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

मैं जी.एम.एस. को एक सुझाव भेज रहा हूँ कि जितनी भी भारत वर्ष में नगरों कस्बों में मोहयाल सभाऐं हैं उनको लिखकर भेजे की मोहयाल मित्र को घर–घर में पहुँचाने का कार्य करें और सदस्य बनाऐं जो सबसे सराहनीय कार्य होगा। पूरी मोहयाल कौम को नतमस्तक प्रणाम।

मोहयाल मित्र का सबके घर–घर होना, बहुत ही जरूरी है। इस मित्र के बिना मोहयालों के बारे में जानकारी अधूरी है।।

-रविन्द्र मेहता 'लौ'

भैया दूज पर्व

भैया दूज क्यों मनाया जाता है। अधिकांश लोगों को इस पर्व का ज्ञान नहीं। यह पर्व प्रायः दिवाली के दो दिन बाद कार्तिक मास की द्वितीय को आती है।

यमराज की छोटी बहन यमुना अपने भाई यमराज से हमेशा आग्रह करती थी कि भैया आप मेरे घर क्यों नहीं आते। मैं आपसे बहुत नाराज हूँ, आप मेरे घर जरूर आओ परन्तु यमराज अपनी छोटी बहन यमुना के घर जाए कैसे। वैसे भी यमराज को किसी के घर जाना अर्थात मृत्यु का आगमन है। इसलिए यमराज यमुना के घर नहीं जाता था। क्योंकि यमराज मृत्यु का देवता है। हर भाई अपनी बहन की खुशी की कामना करता है। यमराज चाहता था कि हमारी बहन दुखी न हो और सदा खुश रहे, लेकिन बहन चाहती है कि मेरा भाई मेरे घर आए इसलिए यमुना बार–बार अपने भाई यमराज को अपने घर आने का निमंत्रण देती थी।

यमराज अपनी छोटी बहन के बार–बार आग्रह को ध्यान में रख कर यमराज ने एक दिन निश्चित किया कि आज छोटी बहन यमुना के घर जाऊगाँ और चल दिया। अपनी बहन के घर पहुचाँ, यह देखकर कि मेरा भाई मेरे घर आया, यमुना बहुत खुश हुई और अपने भाई यमराज को बहुत अच्छी–अच्छी मिठाई पकवान खिलाई और तिलक लगाया यह सब देख कर यमराज बहुत खुश हुआ इतना खुश हुआ कि उसने अपनी छोटी बहन यमुना को वचन दिया कि बड़ा भाई अपनी छोटी बहन के घर जा सकता है। अपनी बहन को इस स्वागत से इतना प्रसन्न हुआ कि उसने वचन दिया कि आज के दिन हमारे दूत किसी का प्राण नहीं लेगें और आज के दिन हमारा कार्यालय बन्द रहेगा।

भाई अपनी बहन के घर जाए अच्छे विचार से जाए और अपनी बहन से तिलक लगवाएं। रक्षाबंधन के दिन बहन अपने भाई के घर जाकर तिलक लगा कर राखी बांधती है और अपनी रक्षा की शपथ दिलाती है लेकिन भैया दूज के दिन बहन अपने भाई को तिलक लगाकर उसकी लंबी उम्र की कामना करती है। रक्षा बंधन व भैया दूज में यही अंतर है। रक्षाबंधन सावन की पूर्णिमा को आती है। और भैया दूज कार्तिक मास के द्वितीय को आती है। अर्थात दिवाली के दो दिन बाद। इसका प्रमाण–आप को मथुरा के यमुना नदी के तट पर एक यमराज की प्रतिमा स्थापित है। यमुना अपने भाई यमराज को तिलक लगा रही है। यह मूर्ति भैया दूज की यादगार के रूप में स्थापित की गयी है जोकि भैया दूज की याद दिलाती है।***-देश वैद***

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor